खबर संक्षेप

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 की वीडियो कॉन्फ्रेसिंग 14 को

मण्डला। म.प्र. लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 का आयोजन 16 फरवरी को दो पाली में किया जाएगा। यह परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 10 से 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली में दोपहर 2:15 बजे से 4:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। आयोग द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु समुचित दिशा-निर्देश 14 फरवरी को शाम 4 बजे से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से दिए जाएंगे। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान प्राचार्य शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय मंडला, प्राचार्य रानी दुर्गावती शासकीय पीजी कॉलेज बड़ी खैरी मंडला, प्राचार्य रानी अवंती बाई शासकीय कन्या हायरसेकेंडरी स्कूल मंडला तथा प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर मंडला को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 की जाँच हेतु अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह तथा अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह को उड़नदस्ता हेतु अधिकृत किया गया है। दल क्रमांक एक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह के साथ नायब तहसीलदार बम्हनी श्री हिमांशु भलावी तथा श्री रोहित पांडे डाटा एंट्री ऑपरेटर कार्यालय भू अभिलेख की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार दल क्रमांक दो में अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह के साथ श्री अमिताभ मिश्रा लिपिक तथा श्री प्रकाश हरदहा लिपिक की ड्यूटी लगाई गई है।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक 17 फरवरी को

मण्डला। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में 17 फरवरी 2025 दिन सोमवार को दोपहर 1:30 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर के गोलमेज में आयोजित की जाएगी।

शासकीय स्कूलों के टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण का शुभारंभ

परीक्षार्थियों को मिला मेहनत का फल

*** योजना भवन में आयोजित किया गया सम्मान समारोह।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश के साथ ही जिले में भी शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में वर्ष 2024 की परीक्षा में टॉप आए छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री ई-स्कूटी योजना के तहत स्कूटी का वितरण किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के जिला योजना भवन में आयोजित स्कूटी वितरण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा की उपस्थिति में स्कूटी वितरण का शुभारंभ किया गया। जिलेभर में शासकीय स्कूलों में टॉपर कुल 162 बच्चों को स्कूटी का वितरण किया जाएगा। इस दौरान प्रफुल्ल मिश्रा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविन्द सिंह, परिवहन अधिकारी रमा दुबे, जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वड़कड़े, एपीसी मुकेश पांडे, संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य, लाभान्वित छात्र-छात्राएं तथा उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने विद्यार्थियों से कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने के लिए यह स्कूटी वितरण योजना शुरू की गई है। इससे विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा, कोचिंग, कॉलेज आदि आने-जाने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी खूब मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने साथ-साथ अपने माता पिता और देश-प्रदेश का नाम रौशन करें।

नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं, स्कूली छात्र-छात्राओं तथा युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। स्कूटी वितरण योजना मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने एवं उनके माध्यम से अन्य विद्यार्थियों को और बेहतर परिणाम लाने के लिए प्रेरित करती है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने इस अवसर पर बच्चों का शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेरा आप सभी से अनुरोध है कि आप स्कूटी चलाते समय हमेशा हेलमेट का उपयोग करें। साथ ही कभी भी रैश ड्राईविंग न करें। आप सभी हमारे यूथ आईकॉन हैं। यदि आप यातायात के नियमों का भलीभांति पालन करेंगे तो इससे हमारे अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

चौकी लिंगा पोंडी थाना कोतवाली मण्डला ने बैटरी चोरी का किया खुलासा

*** वारदात के 24 घंटे के अंदर दो से चोरी की 10 बैटरी एवं मारती वेन जब्त।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 12.02.2025 को डायल 100 व चौकी लिंगा पोंडी को टावर में बैटरी चोरी की सूचना प्राप्त हुई। प्रकरण में रिपोर्टकर्ता शुभम हरदहा ग्राम पोस्ट मधुपुरी चौकी हिरदेनगर जो इंडस टावर लिमिटेड में टैक्निशियन के पद पर कार्यरत ने बताया कि ग्राम मोहगांव चक में लगे टावर के सेक्टर में चोरी हो गयी हैं। उक्त सूचना पर चौकी लिंगापौंडी पुलिस तत्काल मौका मोबाईल टावर मोहगांव चक पहुँची जहाँ सेल्टर का दरवाजा खुला तथा कुल 24 बैटरियों में से 10 बैटरियां (सैल) एवं कनेक्ट करने वाले कनेक्टर भी निकले हैं। घटना के संबंध में आसपास के इकट्ठे हो गये लोगों ने बताया कि एक मारूती वैन क्रमांक MP53LA0366 से 02 बजे कुछ लोग टावर में आयें और उसी वाहन से ही बैटरियां चुराकर ले गये हैं। उक्त प्राप्त बिन्दु पर पुलिस टीम द्वारा जांच प्रारंभ की गयी। विवेचना के दौरान प्राप्त तथ्यों एवं वैन की डिटेल आदि के आधार पर धनेश्वर बैरागी पिता शम्भू दास बैरागी उम्र 25 साल निवासी ग्राम छपरा निवास पुछताछ की गयी जिसने एक नाबालिक के साथ उक्त चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। उक्त आरोपी एवं मामले के विधि से संघर्षरत बालक से चोरी किया हुआ बैटरी एवं घटना में मारूती वैन जब्त कर वैधानिक कार्यवाही की गयी।

मामलें के खुलासा एवं मसरूका की जप्ती में चौकी प्रभारी लिंगा पोंडी उप निरीक्षक प्रवीण शर्मा, आरक्षक युवराज कुलस्ते, धनंजय वल्के की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं।

टिकरिया रेंज के ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई जा रहीं घटिया सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

ग्रामीणों की आवाजाही सहित वन संपदा परिवहन हेतु जंगल तक सुगम पहुंच बनाने फारेस्ट विभाग द्वारा मनमाने तरीके से सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। विभाग के जिम्मेदार उक्त कार्य में खुलकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं वहीं मशीनरी का उपयोग कर बेरोजगारी को बढ़ावा देने पर उतारू हैं, जिससे कामगारों के बीच काफी नाराजगी देखी जा रही है।

टिकरिया वन क्षेत्र के गांव देवडोंगरी और समैया में लगभग अस्सी 2 मीटर लंबाई की सीसी सड़कों का निर्माण रातों रात या कुछ घंटे में ही करके इतिश्री कर दी गई, उक्त प्रत्येक अस्सी मीटर सड़कों की अनुमानतः स्वीकृत राशि पांच लाख बताई जा रही है इस राशि का बड़ा हिस्सा डकारने के नजरिए से जिले का फारेस्ट विभाग कही मशीनरी का उपयोग तो कहीं लेबर से निर्माण कर रहा है बड़ा सवाल यह कि एक ही जिले के एक ही विभाग के दो रेंजों के कार्यों में दोयम दर्जे की नीति क्यों अपनाई जा रही।

सीसी रोड मोटी कैसे बनाई जाती है फारेस्ट विभाग से सीखें

विभाग राशि बचाने तकनीकी जानकारी से शून्य बीटगार्ड को ही इंजीनियरिंग का कार्य सौप दिया जिसने रोड़ बनाई जाने वाली जगह में धूल,सूखी घास और काली मिट्टी की मेढ़ के ऊपर ही बिना अर्थवर्क के दोनों ओर नालीनुमा किनारा खोदकर बीच में अमानक कंक्रीट 3 से 4 इंच का बिछा दिया लेकिन किनारों की नाली में ज्यादा कंक्रीट भर जाने से यह रोड़ देखने में 5 से 6 इंच की समझ आती है। इस तरह से कुछ घंटों में ही ये विभाग रोड़ बनाकर न सिर्फ शासकीय धनराशि बर्बाद कर रहा है बल्कि बेरोजगारों के हक में भी डाका डाल कर जिले के कामगारों को पलायन करने मजबूर कर रहा है जो सरकार की मंशा के सर्वथा विपरीत है, बनाई गईं दोनों सी सी सड़कों का कुछ ही माहों में बर्बाद होना तय है। संबंधित रेंज के अधिकारियों से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

तीन दिवसीय जोन स्तरीय क्रीड़ा एवं साहित्य प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंडला में तीन दिवसीय जोन स्तरीय क्रीड़ा एवं साहित्य प्रतियोगिता का शुभारंभ कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा के आतिथ्य में किया गया। इस जोन स्तरीय प्रतियोगिता में डाईट नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, जबलपुर, बालाघाट, डिंडौरी के प्रतिभागी शामिल हुए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, कबड्डी के अंतर्राष्ट्रीय कोच सहित विभिन्न जिलों से आए खेल अधिकारी तथा डाईट के शिक्षक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रतिभागियों का संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि यह गौरव का विषय है कि मंडला में संभाग के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी प्रतियागिता में शामिल हो रहे हैं। इन खेलों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य लाभ होता है वरन मानसिक स्वास्थ्य को भी यह लाभ प्रदान करते हैं। खेलों के माध्यम से हमें यह सीखने को मिलता है कि कैसे टीम भावना के साथ किसी गेम में विजय प्राप्त की जा सकती है ? उन्होंने विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों से माहिष्मती घाट की पंचचौकी महाआरती में शामिल होने की अपील की। पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने कहा कि खेल परोक्ष रूप से हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। यह पढ़ाई से इतर होते हैं लेकिन कम समय में पढ़ाई से ज्यादा सीख दे जाते हैं। किसी भी खेल में एक टीम की विजय होती है जबकि दूसरी टीम हार जाती है। हमें हार से हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन किया गया। स्वागत वंदना के बाद विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों न मार्चपास्ट किया तदोपरांत कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की।

परीक्षा पे चर्चा | **जीवन में परीक्षाएं हमेशा होती हैं, इससे घबराना नहीं चाहिए-कलेक्टर**

इस समय रिवीजन पर ज्यादा फोकस करें-एसपी

*** योजना भवन में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला योजना भवन में शासकीय विद्यालयों के दसवी एवं बारहवी के विद्यार्थियों से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में परीक्षाएं हमेशा होती हैं, इससे घबराना नहीं चाहिए। आप सबने वर्ष भर मेहनत से पढ़ाई की है, उसे ही परीक्षा हॉल में जाकर हमें उत्तरपुस्तिकाओं में उतारना है। उन्होंने बच्चों से कहा कि - 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' इसलिए परीक्षा को लेकर अतिरिक्त तनाव न लें। छात्र जीवन में दसवी की बोर्ड परीक्षा एक माईलस्टोन होती है, इसलिए आपने जो भी अध्ययन किया है उसका परीक्षा में बहुत ही अच्छे से प्रस्तुतिकरण करें। यह ध्यान रखें कि यह कोई अंतिम परीक्षा नहीं है आपको अभी जीवन में बहुत कुछ करना है। उन्होंने कहा कि आप परीक्षा की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया से दूर रहें तथा योग, ध्यान जैसी क्रियाओं का थोड़ा अभ्यास अवश्य करें, यह आपकी एकाग्रता को बेहतर बनाएगा। सभी विद्यार्थी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा के दिन निर्धारित समय से पहले उपस्थित हों, जिससे समय को लेकर होने वाली घबराहट से बचा जा सके।

बच्चों से चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने कहा कि आपको बहुत लम्बा रास्ता तय करना है। दसवी, बारहवी की परीक्षा उसकी शुरूआत है। बचे हुए समय में आप रिवीजन पर ज्यादा फोकस करें और बेहतर प्रस्तुतिकरण का अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा में पर्याप्त समय रहता है इसलिए शांतचित होकर प्रश्नों के उत्तर लिखें। बच्चों से चर्चा के दौरान अधिकारीद्वय ने छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। इस अवसर पर एसी ट्राईबल श्रीमती वंदना गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, डीपीसी श्री अरविंद विश्वकर्मा सहित संबंधित उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया।

म.प्र. कोलाहल अधिनियम के तहत बिछिया पुलिस ने डी.जे.संचालक एवं कार्यक्रम आयोजक पर की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

बिछिया थाना अन्तर्गत दिनांक 13.02.2025 की रात्रि में बिछिया थाना से गस्त पर रवाना टीम को देर रात सूचना मिली कि वार्ड नं 5 बिछिया में किसी व्यक्ति के द्वारा अत्याधिक साउंड पर डी.जे बजाया जा रहा जिससे लोगों को परेशानियां हो रही है, सूचना पर गस्त टीम रात्रि 1:30 मौके पर पहुंची जहां संतोष उईके पिता कमल द्वारा बारसा के कार्यक्रम में डी.जे संचालक महेंद्र मरावी पिता पंचम सिंह मरावी 26 साल निवासी पड़रिया के द्वारा (साउंड) डी.जे बॉक्स से ध्वनि प्रदूषण कर रहा था साथ ही मौके पर कार्यक्रम एवं डीजे संचालक से डीजे संचालन करने हेतु अनुमति दस्तावेज चाहे गए जो कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया मौके पर 03 बड़े साउंड बॉक्स 03 मिक्सर मशीन व डीजे बजाने हेतु अन्य उपकरणों को जप्त किया जाकर उक्त के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए परिवाद क्रमांक 001/25 धारा 5/15 मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 कायम किया गया। उल्लेखनीय है कि परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए समस्त थानों द्वारा लगातार क्षेत्र में भ्रमण के दौरान व किसी भी माध्यम से कोलाहल आदि की सूचना पर कार्यवाही की जावेंगी, आमजन डीजे आदि कोल्हाहल की सूचना डायल 100 पर भी दे सकते हैं। साथ ही मण्डला पुलिस द्वारा दिन के समय साउंड लिमिट और रात्री में शासन के निर्देशानुसार निर्धारित समय का ध्यान रखने की अपील की गई।

जन्मदिन उत्सव
पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि अब हर माह आप बने भाग्यशाली विजेता। जन्मदिन उत्सव माह मार्च का फार्मेट का प्रकाशन 10 फरवरी को किया जा चुका है, पाठक अपना फार्मेट 15 फरवरी तक अपने एजेंट सब एजेंट जिला कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

शालाओं में सुरक्षा गार्डो की तैनाती जरूरी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मा.उच्च न्यायालय ने शिक्षा हर बच्चे का मूल अधिकार घोषित किया गया हैऔर प्रदेश सरकार शिक्षा योजनाओं के संचालन में पानी की तरह पैसा बहा रही है। परंतु हैरानी की बात है कि नगर की बेलगाम कतिपय निजी शैक्षणिक संस्थाएँ और आलसी शिक्षकों से भरे पड़े कुछ स्कूलों में प्रदेश सरकार की मंशा पूरी करने की ओर ध्यान नही दिया जा रहा है, हासिल जानकारी के अनुसार कोरोना के बढ़ते हुये प्रकोप को ध्यान में रखते हुये जिस तरह संस्थाओं को बंद रखने का आदेश दिया गया था जिसके चलते अब शहर सहित क्षेत्र की शिक्षण संस्थाये अवकाश के उपरांत अब शिक्षण संस्थाणं खुल चुकी है व पूर्णरूप से स्कूलों में पढ़ाई का कार्य भी शुरू हो चुका है। मगर देखा जा रहा है कि शहर के कुछ प्राइवेट स्कूलो में शैक्षणिक कार्य प्रारम्भ हो गया है, जिसके चलते अभिभावकों की मानें तो कतिपय हाईटेक किस्म की निजी शालाएँ ऐसी भी है जिनमें अभिभावकों से बच्चों के प्रवेश के नाम पर डोनेशन, तगड़ी फीस वसूली जाती है मगर बच्चों को सुरक्षा के नाम पर कुछ व्यवस्थाएं नही है, जिसके चलते अभिभावकों की शिकायत है कि निजी शालाओं में हर शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास आकर्षक कपड़े पहने मजनू मॅडरानें लगते है, जिनकी हरकतो से छात्राएँ परेशान रहती है। इन छात्राओं पर छीटांकशी से बचने व स्कूल आने जाने के समय मजनुओं की गतिविधियों सें अभिभावकों को भी परेशानी होती है, किन्तु इसके बावजूद निजी शालाओं के प्रबंधक अपनी शालाओं में सुरक्षा गार्ड तैनात करने में उदासीनता बरत रहे है,अभिभावकों की माँग है कि नए शैक्षणिक संस्थाओं में सिक्योरटी गार्ड रखने के लिए प्रशासन दबाव बनाए, ताकि छात्राएँ बिना शार्मिन्दगी का अहसास कर सुरक्षित माहौल में अपनी पढ़ाई कर सकें।

पतरोई जलाने पर अंकुश न लगना बन रहा परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लगातार बिगड़ रहे पर्यावरण को लेकर न तो प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही आम लोगों द्वारा जिसका परिणाम यह जान पड़ने लगा है कि क्षेत्र की स्थिति एक दिन इस प्रकार से बन जावेगी जिस प्रकार से देश की राजधानी दिल्ली में निर्मित होते हुये देखी जा रही है, क्योंकि इस समय किसानों के खेतों में गन्ना कटाई का कार्य पूर्ण होने के बाद जहां किसानों द्वारा अपने खेतों को खाली करने के लिये खेतों में पड़ी हुई गन्ने की पतरोई को धडल्ले से जलाया जा रहा है, वही दूसरी ओर क्षेत्र की शुगर मिलों में काम करने के लिये बाहर से आये हुये लोगों द्वारा भी अपनी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये गन्ने की फसल को पहले आग के हबाले करते हुये कटाई की जा रही है। इस प्रकार से गन्ने की पटराई को जलाने का परिणाम है कि नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में गन्न की जली हुई पटरोई के कारण दिन भर कालिख उड़ते हुये देखी जा रही है जो लोगों की छतो सहित मुख्य मार्गो पर पड़ी हुई आसानी से देखी जा सकती है। बताया जाता है कि बाहर से आये हुये गन्ना काटने का कार्य करने वाले लोगों द्वारा काटे गये गन्ने से पत्ते हटाने में होने वाली परेशानी से निजात पाने के लिये पहले उसमें आग लगा दी जाती है जिसके चलते सूखे पत्ते जल जाने से गन्ने की कटाई करने में सुविधा होती है, इस प्रकार से अपने स्वार्थो के चलते जहां खुलेआम पर्यावरण से खिलबाड़ की जा रही है। वही दूसरी ओर कुछ किसानों द्वारा भी अपने खेतों को खाली करने की सोच रखते हुये खेतों में पड़ी हुई गन्ने की पतरोई को धडल्ले से जलाया जा रहा है, इस प्रकार से खेतों में पड़ी हुई पतरोई के जलाने पर प्रतिबंध लगना जरूरी हो गया है यदि समय रहते हुये ध्यान नही दिया गया तो हमारा क्षेत्र में दिल्ली के समान बनने में देर नही लगी और लोगों को सांस लेने के लिये शुद्व हवा मिलना मुश्किल हो जावेगा।

वेंटीलेटर पर पहुंचते हुये दिखाई दे रही नगर के शक्कर नदी सहित सीतारेवा गांगई पुल की जिन्दगी

गाडरवारा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा इस समय गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण कराते हुए हर साल करोड़ा रूपया खर्च करते हुए लोगों को पक्की सड़कों की सुविधाएं प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ रही है तो दूसरी ओर गाडरवारा क्षेत्र में भी लगातार विकास की गंगा बहते हुये देखे जाने के बाद भी क्षेत्र के पुलों की दुर्दशा को नजर अंदाज करना निश्चित तौर से अनेक सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है? इस तरह लगातार खस्ता हाल स्थिति में पहुंच रहे पुलों की अनदेखी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रशासन व क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का परिणाम है कि गाडरवारा से कौड़िया की ओर जाने वाले शक्कर नदी पुल सहित चीचली के पास सीतारेवा नदी पर बने हुए पुल की जिन्दगी इस समय पूर्ण रूप से बेन्टीनेटर पर दिखाई देने से नही चूक पा रही है? कुछ इसी प्रकार का हाल मात्र चंद वर्ष पहले निर्मित हुये सुदरास से एनटीपीसी की ओर जाने वाले मार्ग पर सीतारेवा नदी के नव निर्मित पुल की दिखाई देने लगी है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इन पुलों की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देना सरकार के संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है..? इस संबंध में बताया जाता है कि हमारे शहर को प्रदेश की संस्कार धानी की ओर ले जाने वाले तथा राजधानी को प्रदेश के मा.उच्च न्यायलय नगर से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर बने हुए गाडरवारा शक्कर नदी पुल की स्थिति इन दिनों लगातार खराब होती चली जा रही है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि अब इस पुल से वाहन निकालने में भी आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? ज्ञात हो कि इस पुल का निर्माण आज से लगभग 51 वर्ष पूर्व उस समय 28 लाख रूपया की लागत से हुआ था, जिसका लोकापर्ण 28 अप्रेल 1972 को प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश चंद्र सेठी द्वारा किया गया था। यदि उस समय शासन द्वारा लगाई गई राशि का वर्तमान स्थिति की लागत पर जोड किया जावे तो कई करोड़ो में मना जावेगा, जिसके चलते शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी पर बने हुए इस पुल का क्षेत्र की जनता बीते हुए लगभग 50 वर्षो से भी अधिक समय से उपयोग करते हुए खुशहाल बनी हुई है। मगर क्षेत्र में लगातार लग रहे बड़े बड़े उद्योगों सहित लगातार बढ़ रहे सड़कों पर यातायात के दवाब के बाद इस पुल से प्रति दिन हजारों की संख्या में वाहन निकलते है जिसमें निकलने वाले वाहनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक इस प्रकार के भारी वाहन भी निकल रहे है जिनकी शायद पुल के निर्माण के समय कल्पना भी नही की गई होगी तब कभी इतने बड़े वाहनों का भी इस पुल से निकलना होगा? इस प्रकार से क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे यातायात के दवाब के चलते जहां पुल की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। वही दूसरी ओर पुल की ओर प्रशासन द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम तो वर्तमान में इस तरह देखने मिल रहा है कि पुल के ऊपर निकले हुये गड्ढो से सीधे शक्कर नदी में पड़ी हुई रेत के दर्शन तो करा ही रहे है साथ ही साथ वाहन चालकों द्वारा पुल के ऊपर से वाहन निकालने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है...? बताया जाता है कि शुरूआती तौर पर पुल में निकले हुए छोटे छोटे गड्ढो की ओर संबंधित विभाग द्वारा ध्यान नही दिया गया जिसका परिणाम है कि उन गड्ढो ने अब अपना बड़ा रूप धारण कर लिया गया है और वह अब लगातार अपना रूप से सुरसा के समान बड़ा करते हुए दिखाई देने से नही चूक रहे है..? इस प्रकार से प्रशासन की अनदेखी के चलते जहां इस पुल की स्थिति बेन्टीनेटर पर पहुंचने के समान महसूस होने लगी है और यदि समय रहते हुये इस पुल के उचित सुधार की ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से यहां पर बड़ा हादसा होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ चीचली से रायपुर की ओर जाने वाले सीतारेवा नदी पर बने हुए पुल की दिखाई दे रही हो जिसके ऊपर से कुछ वर्ष पहले तक जिस तरह एनटीपीसी सहित अन्य विभागों के बड़े बडे वाहनों की लगातार धमाचौकड़ी मचाई गई थी उसके चलते इस पुल की स्थिति इस प्रकार से जर्जर हो चुकी है कि पुल के निर्माण के दौरान उपयोग की गई लोहे की राडे भी अब ऊपर निकलकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए खुला आमंत्रण करते हुए दिखाई देने देने से नही चूक रही है..?

दो पक्षों के बीच मारपीट होने पर पुलिस द्वारा किया गया काउन्टर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। लोग छोटी छोटी बातों को लेकर एक दूसरे के साथ मारपीट करने पर उतारू होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के माता वार्ड में देखने मिली जहां पर किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट होने पर पुलिस द्वारा दोनों ओर से की गई शिकायतों के चलते काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। घटना के संबंध में एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे ही पडौस में रहने वाली कोमल उर्फ पिता जाटव से मेरा पुराना विवाद चल रहा है। जब बीते हुये दिवस में रात के समय अपने घर जा रहा था तो भूरा जाटव द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। वही दूसरे पक्ष के ओर से भी एक युवक द्वारा अपनी शिकायत में बताया गया है कि पडौस में ही रहने वाले अद्दू जाटव तथा उसके जीजा प्रशांत जाटव द्वारा पुरानी बुराई को लेकर एक राह होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इस तरह पुलिस द्वारा दोनों पक्षों की शिकायत पर काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चीचली क्षेत्र के वीरान इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों देर रात तक खुलेआम छलकते हुये देखे जा रहे हैं जाम

गाडरवारा। समीपस्थ चीचली क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम है कि लोगों को गांव गांव जहां खुलेआम मैदानों से लेकर सरकारी भवनों में शराब पीने के अड्डा बनने के कारण अहाते के रूप में दिखाई देने से नही चूक रहे हे। वही दूसरी ओर जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े। मगर इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देख जा राकता है..? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर लेकर गांवों के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे ग्रामीा क्षेत्रों में वीयरवार न होने और अधिकांश स्कूलों से लेकर सरकारी भवनों सहित ढावों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों शराब खोरी करने से नही चूक रहे है। वही खुलेआम नगर के पास पास बने हुये ढ़ावों में देर रात तक शराब खोरी होने के नजारे देखने मिल रहे है..? पुलिस की उदासीनता के चलते चीचली क्षेत्र में गांव गांव चल रहे शराब के अवैध कारोबार का परिणाम है कि जहां संग्राम की स्थिति निर्मित होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर चोरी की घटनाये भी आम बात बनने से नही चूक रही है। गौर किया जावे चीचली क्षेत्र में इन दिनों शराब के शौकिनों की बढ रही तादात के चलते नगर के अनेक जगहों में जहां खुलेआम शराब की विक्री होने के साथ साथ यहां पर देर रात तक शराब पीने वालों की महफिले सजी हुई दिखाई देना आम बात हो चुकी है।

गायत्री मंदिर में पारितोषिक वितरण का किया गया आयोजन, अनेक लोग रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का तहसील स्तरीय पारितोषिक व प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन बीते हुये दिवस स्थानीय गायत्री मंदिर में किया गया। बताया जाता है कि इस मौके पर गायत्री शक्तिपीठ गाडरवारा स्थापना की 38 वीं वर्षगांठ पर त्रिदिवसीय पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ छात्रों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे सर्वप्रथम तहसील स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नवोदय विद्यालय बोहानी से छात्र निश्चय जैन कक्षा 12 वीं, द्वितीय स्थान कु माही अग्रवाल एवं तृतीय स्थान आशी अग्रवाल हायर सेकंडरी स्कूल बारहाबडा कक्षा 12 वीं को ट्राफी सहित प्रमाण पत्र एवं साहित्य किट प्रदान किये। तत्पश्चात सौ से अधिक छात्रों को परीक्षा में सम्मिलित कराने वाले पांच विद्यालयों जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी, शिवा इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा, शास हायर सेकंडरी स्कूल बनवारी, शास हायर सेकंडरी स्कूल बारहाबडा के आलवा नगर के एक निजी स्कूल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में विद्यालय स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कुल 70 छात्र छात्राओं तथा 35 सहयोगी शिक्षकों को साहित्य किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में नशा मुक्ति पर लघु नाटिका प्रस्तुत करने वाले सरस्वती ज्ञान मंदिर सिहोरा (बोहानी) के 11 छात्रों की टोली को मेडल प्रदान किये गये। इस मौके पर समारोह की अध्यक्षता गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठ ट्रस्टी जगदीश प्रसाद दुबे ने की गई तों मुख्य अतिथि के रूप मे शास महाराणा प्रताप महाविद्यालय के सेवानिवृत प्रोफेसर राजेंद्र कौरव व नगर के चिकित्सक वी के पटेल मौजूद रहे। इस दौरान भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रभारी राजेन्द्र दुबे द्वारा अतिथियों का तिलक, पुष्प से सम्मान किया। कार्यक्रम मंच संचालन साहित्यकार राजेश कुमार कौरव द्वारा किया गया।

जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में चली कुल्हाडी व लाठियाँ

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग जमीन को लेकर एक दूसरे के खून के प्यासे होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम आमगांव छोटा में देखने मिली जब घर के पास बने हुये बाड़े की जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो जाने के कारण कुल्हाडी व लाठियाँ चलने के कारण दोनों पक्षों के लोग घायल हो गया तो दूसरी ओर पुलिस ने भी दोनों पक्षों की शिकायतों के चलते काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम आमगांव छोटा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै जियों टेलीकाम कंपनी में प्रायवेट काम करता हूं। बीते हुये दिवस जब में अपने मकान के पीछे बाड़े में गया तो देखा तो वहां पर संतोष जाटव सूरज जाटव व हर्ष जाटव जबरन कब्जा कर रहे थें। इस बात को लेकर जब प्रार्थी द्वारा उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो गंदी गंदी गालिया देने लगे। उसी दौरान प्रार्थी की माँ तथा भाई रणजीत व अर्जुन भी आग गये। उन्होंने संतोष सूरज व हर्ष को गाली देने से मना किया तो उन्होंने लाठी व कुल्हाडी से मारपीट शुरू कर दिये जाने के कारण प्रार्थी के आलवा उसकी माँ व भाईयों चोटे आई है। वही घटना में दूसरे पक्ष की ओर से भी की गई शिकायत में बताया है कि इंद्रजीत जाटव, छोटू जाटव, रणजीत जाटव द्वारा एक राह होकर शिकायत कर्ता के पिता सुखराम जाटव, भतीजे सूरज जाटव सहित माँ व पत्नी के साथ डंडा कुल्हाडी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई।

अप डाउन संस्कृति पर नहीं लग पा रही रोक शासन की योजनाएं हो रही फेल..., मनमर्जी के मुताबिक संचालित होते हैं शासकीय कार्यालय...?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाकर आमजन तक पहुंचाने के लिए शासकीय विभाग बनाये गये है और इन शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से ही लोगों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता है, मगर देखा जा रहा है कि शासकीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों की उदासीनता कही जावे या फिर उप डाऊन करने की प्रवृति में लिप्त मनमानी के चलते शासन की योजनाओं का जहां समय पर लोगों को लाभ नही मिल पाने की स्थिति में समस्त योजनाएं फेल होते हुए जान पड़ने लगी है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ब्लाक मुख्यालय के अंतर्गत जितने भी कार्यालय है उनमें चंद अधिकारियों कर्मचारियों को छोड़ दिया जावे तो अनेक अधिकारी ऐसे है जो अप डाउन संस्कृति को न अपनाये हो? यहां के अनेक शासकीय कार्यालायो में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों की अप डाऊन संस्कृति के चलते शासन की योजनाए फैल होती जा रही है? यहां पर अनेक विभाग के कार्यालयों में पदस्थ प्रमुख अधिकारियो से लेकर छोटे छोटे कर्मचारी तक अप डाउन कर रहे है? इतना ही नही यहां के प्रमुख ब्लाक कार्यालय व पुलिस थानों के साथ साथ स्कूलों में पदस्थ प्राचार्य सहित तहसील कार्यालय व अन्य विभागों के अधिकारियों सहित अनेक कार्योलयों में का यह हाल चल रहा है? और ऐसा कई सालो से चलता आ रहा है कोई कार्यवाही न होने के कारण अधिकारी अपनी मनमानी से कार्य करते आ रहे है? जब मन करंस आ जाते है जब मन करे तब चले जाते है कोई रोकने वाली नही है? यह बात जरूर है कि यदि ऐसा कोई छोटा कर्मचारी करे तो नोटिस जारी होने लगते हैर। लेकिन जो उस विभाग का मुखिया होता है उस पर कार्यवाही करने वाला कोई नही रहता? लेकिन आज तक कोई भी जिला स्तर के अधिकारी द्वारा इस अप डाउन संस्कृति के रवैया को अपनाने वाले अधिकारियो पर अंकुश नही लगा पा रहे है? जिसके कारण अधिकारियों द्वारा शासन द्वारा शासकीय कार्यालयों का खुलने व बंद होने का जो समय निश्चित किया गया है, उस समय पर न तो वह कार्यालय पहुंच पाते है और न ही लोगों की समस्याओं को सुना जाता है? जिसके कारण आम जनता की समस्या का हल नही निकलता व शिकायतें दिनों दिन बढ़ती जाती है? मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार को शुरू किया गया जनसुनवाई कार्यक्रम भी अधिकारियो को याद नही रहता है? जिसके कारण जनसुनवाई भी नही हो पाती है और उस दिन जनता कार्यालयो के पास अपनी समस्या को लेकर मंगलवार के दिन का इंतजार करती है और अपना अपना काम छोड़ कर जनसुनवाई के निश्चित समय 11 बजे के पहले इन कार्यालयो में आ जाते है और साहब के आने का इंतजार करते रहते है? लेकिन जब उन्हें मालूम चलता है कि साहब अभी आये ही नही है इस स्थिति में क्षेत्र के लोगों को निराशा ही हाथ लगती है? अगर कोई उस कार्यालय में मौके पर उपस्थित किसी चपरासी से पूछे तो वह भी यही कह देता है कि जनसुनवाई का कोई औचित्य नही रह गया है? साहब को सप्ताह के अन्य दिन वैसे ही मंगलवार का रहता है, साहब उसी समय पर आयेगे जिस समय ट्रेन आएगी, साहब भी बेचारे क्या करे वह तो आना चाहते है पर ट्रेन लेट हो जाती है जिस कारण साहब समय पर आफिस नही पहुंच पाते है? जब ट्रेन या फिर अन्य वाहन गाडरवारा आयेगाऔर फिर साहब यहां आवेगे? जिससे कार्य प्रभावित होते है तो होते रहे अब अपने परिवार थोड़ी छोड़ देवे? यह हाल एक ही कार्यालय का नही बल्कि ब्लाक व तहसील स्तर से लेकर शिक्षा विभाग के कार्यालयों में भी देखा जा रहा है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि यहां के शासकीय कार्यालयों का यही हाल रहा तो क्या शासन की योजनाएं वह जनता की समस्याओं का हल हो पायेगा? अगर शासन प्रशासन को शासन की योजनाओ को जन जन तक लाभ पहुंचना है तो सबसे पहले अप डाउन संस्कृति पर रोक लगाना होगा? अगर इस संस्कृति पर रोक लग गई तो आम जनता के काम वाकई में समय सीमा में होने लगेंगे, और आम जनता भी राहत की सांसा लेगी, ऐसी शासन प्रशासन से अपेक्षा है।

इस तरह की लापरवाही जन्म देती है घटनाओं को...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के रेलवे स्टेशन पर रेलयात्री सुविधाएँ मॉगने के हकदार है किन्तु जान जोखिम में डाल उनका ट्रेनो में सफर करने को आतुर रहना उचित नही कहा जा सकता। गौरतलब है कि इन दिनों चुनावी महौल के कारण रेलवे स्टेशन के दोनो प्लेटफार्मो पर रेलयात्री बच्चो, युवाओं, महिलाओं की काफी भीडभाड़ का आलम रहता है, इस दौरान जब भी कोई ट्रेन रूकती है तो उसमें सीट सुरक्षित करने के लिए अधिकतर यात्री अपनी जान की परवाह न कर सीट की जुगाड़ में लग जाते है। हालत यह है कि कभी रूकने के लिए रेंगती ट्रेनो में उनके द्वारा चढ़नें की कोशिश की जाती है। बताया जाता है कि कई रेलयात्री ट्रेनो में सीट सुरक्षित करने के चलते ट्रैक पर खड़े हो जाते है, जब प्लेटफार्म कूद ट्रैक पार करना अपने आम में खतरे से खाली नही रहता, शहरवासियो न रेल पुलिस से गुहार लगायी है कि स्टेशन पर ट्रेनो के आने के समय वह प्लेटफार्मो पर विशेष चौकासी बरते और रेलो में जगह पाने के लिए ट्रैक का इस्तेमाल करने वाले रेलयात्रियो को ट्रैक से हटा प्लेट फार्मो पर ही बैठकर ट्रेनो में चढ़ने की हिदायत दे।

भण्डारे एवं पूर्ण आहुति के साथ हुआ 27 कुण्डीय श्रीराम मानस यज्ञ का समापन

गाडरवारा। समीपस्थ पुण्य सलिला माँ नर्मदा के पावन तट ग्राम कोठिया घाट मे माँ नर्मदा जयंती के पावन अवसर पर शुभारंभ हुये 27 वें 27 कुण्डीय श्रीराम मानस यज्ञ का बीते हुये दिवस पूर्ण आहुति एवं भंडारे के साथ समापन हुआ। बताया जाता है कि इस मौके पर आयोजन समिति से जुड़े भक्त अमित पटैल से के अनुसार 4 फरवरी को माँ नर्मदा पूजन से कलश यात्रा निकालकर यज्ञ का शुभारंभ हुआ था वही शाम के समय दीपदान से माँ नर्मदाजी की अनोखी छटा देखने मिल रही थी। वही यज्ञ मे प्रतिदिन सुबह 8 से 2 बजे तक हवन पूजन आदि कार्यक्रम संपन्न होने के साथ ही पुराणों का पाठ के चलते संपूर्ण क्षेत्र धर्ममय होने से नही चूक रहा था। इसके अलावा 2 बजे से साध्वी दीपेश्वरी रामायनी एवं सुश्री किशोरी द्वारा प्रवचन के दौरान जिस तरह भगवान की लीलाओं का वर्णन प्रस्तुत किये जाने के कारण प्रतिदिन लोगों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही थी। वही आयोजन के अंतिम दिवस सभी श्रद्धांलुओं ने पूजा अर्चना के साथ पूर्ण आहुति देकर धर्म लाभ लेने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इसके उपरांत भंडारे के आयोजन के साथ यज्ञ का समापन किया।

वृद्ध सेवा व बेटी सम्मान के साथ मनाई संत शिरोमणि महाराज की जयंती, चरित्र नहीं चरित्र का अनुसरण होना चाहिये - मुकेश बसेडिया

गाडरवारा

नगर के समाज सेवी मुकेश बसेडिया ने संत शिरोमणी रविदास जयंती के मौके पर रविदास सेवा समिति व अजाक्स के जिला अध्यक्ष बंशीलाल अहिरवार के संयोजन में क्षेत्र के ग्राम टेकापार में किया गया। इस मौके पर अतिथियों ने सर्व प्रथम संत रविदास जी के चित्र का पूजन,अर्चन किया करते हुये बसेड़िया द्वारा बेटियों का सम्मान जरूरी सामग्री का वितरण किया गया। वही मौजूद वृद्धजनों सहित महिलाओं के लिये कंबल व वस्त्र वितरण कि गये। वही दूसरी ओर ग्राम की उच्च शिक्षित बेटियों को मेडल व अन्य उपहार प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के वरिष्ठजन विजय कुमार मालपानी तथा विशिष्ट अतिथियों में रेवाशंकर कटारे के आलवा सरपंच प्रतिनिधि यशवंत राजपूत, पत्रकार अरुण श्रीवास्तव, उपसरपंच केहर सिंह अहिरवार, अजाक्स के जिला अध्यक्ष बंशीलाल अहिरवार, शिव प्रसाद अहिरवार, राकेश मेहरा मौजूद रहे। वही आयोजन में प्रमुख रूप से रविदास सेवा समिति के अध्यक्ष हेमराज अहिरवार, उपाध्यक्ष मोहनसिंह अहिरवार, हरनाम सिंह, परमसुख, वीरेंद्र ,दयाराम, पर्वत, नेतराम, संजय, शंकर, दुर्गेश, मुकेश, नेपाल, ब्रजेश, नरेश, बलराम, बाबूलाल, काशीराम, मूल चंद ,हेमराज, भगवान सिंह, गौरी शंकर ,चंद्रभान , सीताराम अहिरवार का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम का संचालन अजाक्स के जिला अध्यक्ष बंशीलाल अहिरवार द्वारा किया गया। इस मौके पर बसेड़िया द्वारा अपने संबोधन में सामाजिक समरसता के तहत संत शिरोमणी रविदासजी के चरित्र का वर्णन कर नशा मुक्ति व शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुये बेटियों को पढ़ाने के लिये लोगों को जागरूक किया गया।

मामूली विवाद में कुल्हाडी से मारकर हत्या करने वाले आरोपी गिरफ्तार

डिंडोरी

समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मानपुर बीहर टोला में मर्डर की सूचना मिलने पर समनापुर थाना स्टाफ को हत्या की सूचना मिलने पर ग्राम मानपुर बीहरटोला मय विवेचना किट के पहुँचकर सूचना तस्दीक किया गया। सूचनाकर्ता नेमसिंह उद्दे के द्वारा बताया गया कि दिनाँक 10/02/2025 को सुबह 09 बजे मैं काम करने बाहर चला गया था शाम 04 बजे घर आया तो पिता उदय सिंह आँगन में लेटे हुए थे सिर से खून निकल रहा था चोंट के संबंध में पूछा तो बोल नही पा रहे थे फिर बहन नीमा को सूचना दिया और पिता जी का दवा पट्टी

किये फिर शाम को चाचा हिमल सिंह आकर बताये कि पंचायती काम के दौरान चर्चा हो रही थी कि

दिनाँक 10/02/2025 को 10 – 11 बजे गाँव के रेवा सिंह धुर्वे और उदय सिंह के बीच किसी बात को लेकर झगडा हुआ था उसी दौरान रेवासिंह ने धारदार हथियार से उदयसिंह को मारा है। मेरे पिता उदय सिंह की मृत्यु गाँव के रेवा सिंह धुर्वे के द्वारा लडाई झगडा के दौरान धारदार हथियार से मारने से बाँये तरफ सिर माथे के ऊपर गंभीर चोंट लगने से हुई है रिपोर्ट पर देहाती नालसी लेख कर अप. क्र. 50/2025 धारा 103(1) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना में लिया गया।

थाना समनापुर अंतर्गत ग्राम मानपुर बीहर टोला का मामला

घटना काफी गंभीर प्रकृति का होने से पुलिस अधीक्षक द्वारा विधि संगत कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये मौके पर एफएसएल टीम बालाघाट द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते वीडियोग्राफी की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षक बजाग के विशेष मार्गदर्शन में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पता तलाश किया गया जो आरोपी रेवा सिंह घटना कारित कर घर से फरार हो गया था, जिसकी तलाश हेतु टीम गठित कर लगातार पता तलाश किया गया जो आरोपी रेवा सिंह धुर्वे को मानपुर बीहरटोला के जंगल से घेराबन्दी कर हिरासत में लिया जाकर घटना के संबंध में पूछताछ किया गया जो जुर्म करना स्वीकार किया जिससे घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार चाहा गया जो एक कुल्हाडी पेश किया जिसे गवाहो के समक्ष जप्त किया गया। आरोपी रेवा सिंह धुर्वे पिता जिमीदार धुर्वे जाति गोंड उम्र 55 वर्ष निवासी मानपुर (बीहरटोला) थाना समनापुर को विधिवत गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

इनकी रही विशेष भूमिका

निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती थाना प्रभारी समनापुर, उपनिरी. पारस यादव, प्रआर. 297 कृष्णपाल सिंह, प्रआर. 365 भारत यादव, प्रआर. 183 राजेश मरावी, प्रआर. 31 दर्शन सिंह मसराम, प्रआर. 175 सहमेन मरावी, प्रआर. 19 पवन सिंह धुर्वे, आर. 78 सियाराम मरकाम, आर. 362 आशीष घरडे, आर. 415 कुमान सिंह, चालक आर. 382 हेमन्त नखाते की सराहनीय भूमिका रही है।

खबर संक्षेप

नेशनल लोक अदालत के लिए प्री-सिटिंग बैठक का आयोजन

अनूपपुर। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर पी.सी. गुप्ता के मार्गदर्शन में 8 मार्च को जिला न्यायालय अनूपपुर एवं तहसील सिविल न्यायालय राजेन्द्रग्राम एवं कोतमा में वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अधिक से अधिक संख्या में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का निराकरण करने के उद्देश्य से जिला अनूपपुर के क्लेम अधिवक्ता के साथ द्वितीय जिला न्यायाधीश संयोजक नेशनल लोक अदालत नरेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में प्री सिटिंग बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में उपस्थित अधिवक्तागण से अपील की गई कि वे बीमा, ड्राईविंग लायसेंस, आदि आवश्यक दस्तावेजों को समयावधि में संबंधित अनावेदक अधिवक्तागण को प्रदान करें। साथ ही जिन प्रकरणों में कोई बीच नहीं है, उनकी एक सूची तैयार करें, ताकि पक्षकारगण को हम अधिक से अधिक संख्या में लाभावित कर सकें। इस दौरान बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह, वलेम अधिवक्ता मनीष गुप्ता, जयलाल प्रजापति, नेमसाय राठौर, रमशंकर यादव, असलम नियाजी, विनोद सोनी, श्रीमती रेणू सोनी, के.ए. प्रसाद उपस्थित रहे।

कार्यक्षेत्र से बाहर की शिकायतों पर अनुमोदन पश्चात करें अंतरण

अनूपपुर: कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सीएम हेल्पलाइन 181 पोर्टल पर कार्यक्षेत्र से बाहर की शिकायतों के संबंध में अधिकारियों को शिकायतों का विश्लेषण करने तथा शिकायतें सही विभाग को मैपिंग करने के उपरांत शिकायतों को आउट ऑफ डिपार्टमेंट करने के पूर्व शिकायतकर्ता से संपर्क कर संतुष्टि उपरांत विस्तृत विवरण दर्ज करने के बाद ही कार्य क्षेत्र से बाहर किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने शिकायतों के लगातार एक विभाग से दूसरे विभाग अथवा अंतर विभागीय कार्य क्षेत्र से बाहर करने से शिकायतों का निराकरण समय सीमा पर नहीं होने पर चिंता जताई है। उन्होंने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी एल- 1 अधिकारी शिकायत को कार्य क्षेत्र से बाहर करने के पूर्व प्रस्ताव जिला अधिकारी को भेजें एवं जिलाधिकारी नस्ती पर अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही शिकायतों को कार्य क्षेत्र से बाहर दर्ज कराए।

तीन दिवसीय दौरे पर आये कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष केन्द्र व प्रदेश की सरकार पर जमकर बरसे

अनूपपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तीन दिनों से अनूपपुर जिले की तीनों विधानसभा भ्रमण पर हैं। तीसरे दिन गुरूवार को अनूपपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए वादा खिलाफी का आरोप लगाया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मोहन यादव सरकार कर्ज, कमीशन, अपराध और भ्रष्टाचार में लिप्त है। पटवारी ने जल जीवन मिशन में 65% राशि के घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि इस योजना में केवल 35% पैसा ही खर्च किया गया। जिले में विधानसभा चुनाव के दौरान कुछ नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निलंबन का सामना करना पड़ा इससे लेकर पार्टी में दुविधा बनी है। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिन नेताओं का निलंबन किया गया था पार्टी द्वारा बहाली का आदेश नहीं आया तो आप समझदार हैं। आयु से अधिक लोग युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारी बने है इस पर कहा कि पार्टी के संविधान अनुसार होगा। जिले के पुष्पराजगढ़, कोतमा एवं अनूपपुर विधानसभा में अलग-अलग बैठक कर कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत करने चुनाव की तैयारियों में जुट जाने के लिए कहते हुए कहा कि जब हम विधानसभा चुनाव हारे तब कार्यकर्ता निराश थे, लेकिन अब परिस्थिति बदली है। हमने विदिशा के उपचुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह वाली सीट पर वोट का अंतर कम किया है।

सदस्यों को बगैर जानकारी दिए विकास खंड प्रबंधक और अध्यक्ष पर लाखों रूपये आहरण का आरोप

आजीविका मिशन समूह के सदस्यों ने कलेक्टर से की शिकायत

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकास खण्ड डिण्डौरी द्वारा वाटर शेड की राशि फर्जी तरीके से निकालने का आरोप

महिलाओं को रोजगार हेतु स्वीकृत लॉन्ड्री एवं ड्राई क्लीनिंग इकाई प्रारंभ ही नहीं हुई

डिंडोरी। डिंडोरी जनपद पंचायत अंतर्गत दुर्गा समूह ग्राम पंचायत चौरा माल के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पहुँच कर समूह को आवंटित राशि फर्जी तरीके से आहरण करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की हैं, दुर्गा समूह के सदस्यो शिकायत में उल्लेख किया है की हमें जानकारी नही है कि हमारे दुर्गा समूह को आजीविका मिशन से वाटर शेड की राशि लॉन्ड्री एवं ड्राई क्लीनिंग हेतु 15,00,000/- रू अंकन पन्द्रह लाख रूपये स्वीकृत हुआ था तथा 10,00,000/- रू दस लाख रूपये खर्च की जा चुकी है। जबकि कुछ सदस्य दुर्गा समूह के मजदूरी करने हमेशा दूसरे राज्य में रहते है एवं समूह के सचिव भी मजदूरी के लिये पलायन में है, दुर्गा समूह के अध्यक्ष द्वारा विकास खण्ड प्रबंधक से सॉठ-गाँठ कर फर्जी तरीके से राशि आहरण आजीविका मिशन से कर लिया गया है, आजीविका मिशन के वाटर शेड की राशि का दुरूपयोग कर लिया गया है। दुर्गा समूह की अध्यक्ष कहती है कि समूह के सदस्यो को जानकारी नही दी हूँ लेकिन राशि मेरे द्वारा आहरण कर लिया गया है। समूह की सदस्यों ने का कहना है की फर्जी तरीके से निकाली गई अजीविका मिशन की राशि का दुरूपयोग करने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली

डिंडोरी। कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग वैधनाथ वासनिक सहित आरईएस विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, पीएमजीएसवाय, नगर परिषद, जनजातीय कार्य विभाग एवं अन्य समस्त निर्माण संबंधित विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। कलेक्टर नेहा मारव्या ने निर्माण कार्यों विस्तृत समीक्षा कर स्वीकृत कार्य, कार्यादेश, टेंडर, निर्माणाधीन कार्य, कार्य लागत, कार्य प्रगति, निर्माणाधीन कार्यों में स्वीकृत राशि

के विरूद्ध व्यय की गई राशि सहित अन्य मुद्दों पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पीएमजीएसवाय विभाग के प्रगतिरत 39 कार्यों की प्रगति का मुल्यांकन किया। कलेक्टर मारव्या ने पीआईयू (भवन) के निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की। जिसमें बताया गया कि स्वीकृत 30 कार्यों में से 26 कार्य प्रगतिरत हैं शेष कार्य अप्रारंभ हैं।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने निर्माणाधीन कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, स्वीकृत कार्यों के लिए अग्रिम कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने समस्त राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परीक्षण के लिए सतत जांच करें, और समय-सीमा में कार्यों को प्राथमिकता से पूरा

पंचायत व नगरीय निकायों के रिक्त पदों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश

अनूपपुर: पंचायतों एवं नगरीय निकाय के 11 फरवरी की स्थिति में उप निर्वाचन हेतु आकस्मिक रिक्त पदों की जानकारी उपलब्ध कराने के संबंध में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपदों के सीईओ तथा नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत एवं नगरीय निकायों में जानकारी प्राप्त कर ऑनलाईन पोर्टल पर अपडेट की जाएगी।

मुर्गा मांस बेचने वाले को नायब तहसीलदार ने कहा कि सख्ती से होगी कार्यवाही

शहपुरा

पुण्य सलिला मां नर्मदा के कन्हैया संगम मालपुर घाट को दूषित की रहे मुर्गा मांस बेचने वालो पर नायब तहसीलदार शैलेश गौर ने सख्ती से कार्यवाही करने आरआई को दिये निर्देश

शहपुरा जनपद मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर स्थित पुण्य सलिला नर्मदा जी के कन्हैया संगम मालपुर में बुधवार के दिन बाजार का आयोजन होता है और वहां पर बाजार के दिन अण्डा मुर्गी और मांस वाले नर्मदा जी के किनारे व कल्प वृक्ष पीपल, बड के वृक्ष के नीचे दुकान लगात है और वही व मासं, मछली, मुर्गा बेचकर उसका पूरा कचडा पखं, अतडी फैला कर चले जाते है और नर्मदा जी किनारे भी फेक कर चले जाते है जिसके लिए ग्रामीणो में भारी आक्रोश है वही पूरे मामले की जानकारी नायब तहसीलदार शैलेश गौर को दी गई तो उन्होने तत्काल संबधित आरआई को मामले में ग्राम पंचायत के साथ मिलकर कडी कार्यवाही कर सूचित करने के लिए निर्देशित किया है।

17 फरवरी को होगा झारिया समाज का प्रांतीय सामाजिक सम्मेलन समारोह

शहपुरा। झारिया (मेहरा) सेवा समिति शहपुरा समाज उत्थान की अग्रणी संस्था है जो लगातार कई वर्षों से समाज कल्याण के लिए कार्य कर रही जैसे महिला शिक्षा, मेधावी विद्यार्थीयो का सम्मान, शिक्षकों का सम्मान, नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था, निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ऐसे तमाम मानवसेवा समाज हितैषी कार्य संस्था के द्वारा किया जा रहा है इसी तारतम्भ में झारिया (मेहरा) सेवा समिति शहपुरा जिला डिंडोरी के तत्वाधान में दिनांक 17 फरवरी 2025 दिन सोमवार को खेरमाई प्रांगण ग्राम टिकरिया शहपुरा जिला डिंडोरी में प्रांतीय सामाजिक सम्मेलन समारोह का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है जिसमें समाज के वरिष्ठ जन, समाजसेवियों तथा स्वजातियों बंधुओं द्वारा समाज उत्थान के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा तथा समाज के मेधावी विद्यार्थी तथा समाज के वयोवृद्ध जनों का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें समाज के मार्गदर्शन मंडल, वरिष्ठजन, स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति होगी।

करंजिया में मनाया गया सन्त शिरोमणि रविदास जन्म उत्सव

डिंडोरी। विकास खंड करंजिया में सन्त शिरोमणि रविदास जन्म उत्सव समाजिक संगठन द्वारा मनाया गया जिसके मुख्य अतिथि ओमकार सिंह मरकाम विधायक विधानसभा डिंडोरी विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते विशेष अतिथि मो असगर सिद्दीकी जिला अध्यक्ष बसपा डिंडोरी मौजूद रहे, बसपा के जिला अध्यक्ष असगर सिद्दीकी ने सन्त शिरोमणि रविदास जन्म उत्सव पर बहुजन समाज में जन्मे सभी महापुरुषों को नमन करते हुए जन्म उत्सव पर सन्त शिरोमणि रविदास जी के चरणों में कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि उनका जन्म वाराणसी पवित्र नगरी में सीर गोवर्धन पुरी में हुई सन- 1377 ई, में उनका विवाह 12 वर्ष की आयु में कर दिया गया था उनके विचारों को उनके चलाए मार्ग पर चलने का संदेश दिया कार्यक्रम में बच्चों द्वारा

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भंडारा प्रसाद वितरण भी किया गया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष रुदेश परस्ते ने उनके जीवन की गाथा बताई उनके जीवन काल में मुगलों का शासन हुआ करता था भूख गरीबी अन्याय अत्याचार बहुत था तब उनके पास मुस्लिम समाज के पीर ने जाकर धर्म बदलने को कहा था पर ऐसा करने से सन्त शिरोमणि रविदास महराज ने मना कर दिया था, सुदर्शन नागवंशी, अतुल बांधव, जगदीश बांधव, दीपक धुर्वे गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी से, अजाक संघ के जिला अध्यक्ष सुशील नागेश्वर, एस के गौतम, सहित महिला पुरुष बच्चे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अकरम इंडेन गैस एजेंसी पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी

प्रशासन की लापरवाही से बड़ा हादसा कभी भी संभव

जमुना/बदरा। कोतमा के रिहायशी इलाके में स्थित अकरम इंडेन गैस एजेंसी का गोदाम सुरक्षा मानकों की पूरी तरह से अनदेखी कर रहा है। ज्वलनशील गैस सिलेंडरों का भंडारण और रिफिलिंग कार्य किसी बड़े हादसे को निमंत्रण दे रहा है। हरदा और मुरैना जैसे हादसों में लोगों ने अपनी जान गंवाई, लेकिन कोतमा में प्रशासन की आंखें अभी भी बंद हैं। यह लापरवाही जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।

उपभोक्ताओं के साथ खुली ठगी

ग्राहकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि सील बंद सिलेंडरों में 1 से 1.5 किलो गैस कम पाई जाती है। इसके अलावा, एजेंसी निर्धारित दरों से अधिक पैसे वसूल रही है। यह न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि जनता के साथ खुला अन्याय है। शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद, प्रशासन और एजेंसी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही

स्थानीय प्रशासन ने इस मामले में पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया है। बार-बार शिकायतें मिलने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। क्या अधिकारियों को यह नहीं दिखता कि गैस गोदाम एक टिक-टिक करता टाइम बम बन चुका है। उनकी चुप्पी और निष्क्रियता यह साबित करती है कि उन्हें जनता की जान की कोई परवाह नहीं है। यह रवैया उनकी अयोग्यता और जनता के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। अगर कोई हादसा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन पर होगी।

ग्राम पंचायतों की सड़कों का हाल बद से बदतर

संभागायुक्त का आदेश भी बेअसर, अधिकारी नहीं करते निर्देश का पालन

जनप्रतिनिधि भी चुनाव के समय आश्वासन देकर भूल गये

अनूपपुर/कोतमा। वर्तमान मे कई गांव की स्थिति आज भी यह है कि यहां चलने लायक सड़क भी नहीं है। जो सड़के हैं वह भी जर्जर हो चुकी हैं, सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं। ग्रामीण जनों का बस एक ही कहना है कि यदि विकास देखना है तो हमारे गांव के रास्ते में जाकर देखें तब समझ में आएगा की धरातल में क्या विकास कार्य किए गए हैं। शासन द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत गांव-गांव में सड़को का जाल बिछा दिया गया है, लेकिन इन सड़को के रखरखाव की ओर संबंधित कार्य एजेंसी द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने के कारण सड़को की हालत बद से बदतर हो गई है। बारिश के दिनों में वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। यही नहीं ऐसी भी सड़के हैं जो एक वर्ष में ही धराशाई हो गई है। जहां जगह-जगह सड़को में गड्ढे बन गए हैं। सड़क निर्माण कार्य में जो डामर का उपयोग किया गया था। वह डामर पूरी तरह से बहकर आज बजरी के रूप में सड़को में बिखरा हुआ है। जिसके कारण आए दिन दो पहिया चार पहिया वाहन पंचर हो रहे हैं।

यही नहीं आम नागरिकों को भी इन सड़को में चलने में बडी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत वनांचल की सड़क मार्गों में यदि जनप्रतिनिधि अधिकारी निकल जाएं तो वे वास्तविक स्थिति का जायजा ले सकते हैं। आम जनता ऐसी सड़क निर्माण जहां शासन की राशि पानी की तरह बहा दिया गया लेकिन उसकी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया है। आज गुणवत्ता विहीन कई ऐसी सड़के हैं जो प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत सड़को का निर्माण कराया गया है। इन सड़को की बदतर स्थिति को देखकर आम जनता मे शासन प्रशासन के प्रति असंतोष पनपने लगा है।

विभागीय निरीक्षण का अभाव

सड़को के निर्माण के बाद सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार व संबंधित कार्य एजेंसी विभाग की होती है लेकिन सड़क निर्माण के बाद उन सड़क निर्माण कार्यों को मुड़ कर झांकने की फुर्सत नहीं है कि जिस सड़क का निर्माण कार्य कराया गया है। उसकी क्या स्थिति बरसात मे हुई भारी बारिश से जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। वहीं कई जगह सड़कों के निर्माण में जो गुणवत्ता विहीन सामग्री का उपयोग किया गया है वह बह गया है। वनांचल के सड़क मार्गों में जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। यह सड़क कोतमा विधानसभा क्षेत्र के कोतमा से लामा टोला जाने वाले मार्ग की है।

मामला लामा टोला सड़क का

लामा टोला गांव से केशवानी मुख्य मार्ग तक प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनाए गए निर्माण कार्य की सारी पोल खोल रहा है। सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दिनों में पानी गड्ढों में भर जाता है, जिससे राहगीरों को बड़े-बड़े गड्ढे नजर नहीं आते हैं और प्रतिदिन ग्रामीण दुर्घटना के शिकार होते रहे हैं। दो पहिया वाहन चालक भी गड्ढे में गिर कर चोटिल हो रहे हैं। यही हाल ग्राम पंचायत रेउला गांव का है। गांव के अंदर नवाटोला मोहल्ले की रोड अत्यंत जर्जर है पैदल चलना भी लोगों को दिक्कतों का कारण बनता है बड़े-बड़े गड्ढे हैं बारिश के दिनों में ग्रामीणों को परेशानी होती है यही विकास कार्य हुआ है। सूखे मौसम में प्रधानमंत्री सड़क योजना में हुए गड्ढों के कारण सड़क पूरी तरह से जर्जर हो गई है जिसके कारण धूल डस्ट उड़ती है और लोगों के घरों तक पहुंचती है जिसके कारण लोगों का जीना दूभर हो रहा है।

आश्वासन देकर भूल गए

रेउला गांव निवासी तीरथ सिंह ने बताया कि बंजारी तिराहा से लामा टोला जाने वाली सड़क अत्यंत जर्जर हो गई है बड़े-बड़े गड्ढे निकल आए हैं बारिश के दिनों में तो गड्ढे नजर ही नहीं आते हैं। जिसके कारण आए दिन दुर्घटना घटित होती हैं। कई बार सड़क की मरम्मत कराए जाने को लेकर हम लोगों के द्वारा कहा गया तो अधिकारियों से बात करके जल्दी मरम्मत का कार्य शुरू करवा देने का आश्वासन मिलता है, लेकिन चुनाव के समय ही सब को विकास की याद आती है। यही हमारे गांव का विकास है। रेउला गांव निवासी शंकर सिंह का कहना है कि रेउला गांव के अंदर नवाटोला मोहल्ले की सड़क अत्यंत जर्जर है पैदल चलने लायक भी नहीं है। यह सड़क प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत आता है और गांव के अंदर से पकरिहा गांव के लिए जाता है बर्षो पहले सड़क का निर्माण कार्य कराया गया था लेकिन अब वह सड़क पूरी तरह से उखड़ चुकी है गिट्टियां बाहर निकल आई है। जबकि इस सड़क मार्ग से आमजन का 24 घंटे आवागमन बना रहता है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाता है जिसके कारण आये दिन दुर्घटना घटित हो रही है।कुछ दिन पूर्व शहडोल कमिश्नर बी यस जामोद के द्वारा विभागीय बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की हालत अत्यंत ही दयनीय है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की स्थिति का जायजा लेते हुए बारिश पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत कराए गए ठेकेदारों के माध्यम से निर्माण कार्यों को दुरुस्त करवाया जाए।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 16 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 का आयोजन 16 फरवरी को होगी। यह दो सत्रों में आयोजित की जायेगी। पहला सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दूसरा सत्र दोपहर 2.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक होगी। इस संबंध में आयोग द्वारा परीक्षार्थियों के लिए विशेष दिशा निर्देश जारी किये हैं। संयुक्त कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी श्रीमती वंदना जाट ने बताया कि परीक्षार्थियों के कक्ष में जाने के पूर्व वीक्षक द्वारा तलाशी ली जायेगी।

विद्यार्थियों को दिया परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस सीएम राइस एसडीएम शासकीय कउमावि में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में अध्ययनरत छात्राओं को परीक्षा के लिए विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार ने छात्राओं को उच्चतम अंक लाने और अव्वल आने के लिए मार्गदर्शन व प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में सतत अभ्यास और लिखने का अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पूरी नींद लेना चाहिये और आवश्यकता से थोड़ा कम भोजन कर लगातार अध्ययनशील रह सकते हैं। इस अवसर पर जिला योजना अधिकारी गजेन्द्र नायक ने व प्राचार्य प्रभात मिश्रा ने भी छात्राओं को परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन दिया और अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में डॉ. सुशील कुमार दीक्षित, प्रभात सिंह राजपूत, अभिनव लखेरा, बृजेश जाट, गनेश लोधी, विद्यालय का स्टाफ और छात्रायें मौजूद थी। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र सिंह लोधी व आभार मनोज वैष्णव ने किया।

नहीं रही श्रमती सरोज साहू

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित साहू परिवार की धर्मपरायण महिला श्रीमती सरोज साहू का अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। आप चुन्नीलाल सीताराम परिवार की बड़ी बहू, मनोहर लाल साहू धर्मपत्नी एवं मयंक मनोहर साहू, मिलिंद साहू की माता जी थी। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय नकटुआ मुक्तिधाम में किया गया। जहां पर समाज के सभी वर्गो द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

जगदीश भाई मानसाता को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरुवार को जिले के प्रतिष्ठित समाजसेवी, जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के पूर्व चेयरमैन जगदीश भाई मानसाता को उनके निवास स्मृति भवन में श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों एवं बाहर से आए हुए गणमान्यजनों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्य मंत्री एवं जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास में जनसुनवाई आयोजित की इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगों ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया ।

औपचारिक बन कर रह जाते है निर्देश

आवास निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने पर जोर

कलेक्टर ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में जिले के नगरीय निकायों की विस्तृत समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में गुरुवार को संपन्न हुई। बैठक में जिले के सभी नगरीय निकायों के प्रमुख मुद्दों और योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों के निर्माण कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, स्व सहायता समूह बैंक लिंकेज, संजीवनी क्लीनिक, आत्मनिर्भर भारत स्ट्रीट वेंडर, अमृत 2.0 योजना, राजस्व वसूली, स्वच्छ भारत मिशन पर चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि सभी निकायों में राजस्व वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास- शहरी की समीक्षा करते हुए आवास निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने और पात्र लाभार्थियों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

नियमित संग्रहण किया जाए कचरा

उन्होंने जिले में चल रहे सभी निर्माण कार्यों को समय सीमा के भीतर तय मानकों के अनुसार पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी नगरीय निकायों को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित करें स्वच्छता कार्यों के लिए दुकानदारों,लोगों से सतत रूप से संवाद किया जाए जिससे उनकी समस्याएं और सुझाव जानकर बेहतर कार्य किए जा सके। कचरा प्रबंधन के लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन नियमित तौर पर जाएँ। नागरिकों के बीच मोहल्ला मीटिंग जैसी पहल को हिस्सा बनायें। वार्डों में सफाई, नाले और नालियों का रख रखाव व सफाई, रास्तों पर रखा मलबा हटाना, स्वच्छता जागरूकता एवं लोगों का फीडबैक भी लिया जाए। बैठक में परियोजना अधिकारी जिला एवं शहरी विकास अभिकरण श्रीमती वंदना जाट, सभी निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी और उपयंत्री मौजूद थे।

आदेशों का पालन नही कर पा रही नपा

जिले में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिये प्रशासन द्वारा भरसक प्रयास किये जा रहे है परन्तु जिले में सफाई व्यवस्था स्थापित नही हो पा रही है। प्रशासन द्वारा लोगों को बेहतर सफाई व्यवस्था के लिये आदेश दिये जाते है परन्तु धरातल में उक्त आदेश धूमिल नजर आते है और प्रशासन द्वारा अधिकारियों की बैठक कर सफाई संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर ली जाती है प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा बैठक मे निर्देश दिये जाते है कि सफाई व्यवस्था उचित हो परन्तु धरातल में हालात ऐसे होते है कि नगर के कई स्थानों पर पड़ा कचरा बदबू मारता रहता है और जिम्मेदार नदारद रहते है।

कागजों पर होती है खानापूर्ति

प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सफाई व्यव्स्था को लेकर अनेको निर्देश दिये जाते है जिन्हे पूरा करने के जिम्मेदारी अधिकारी कर्मचारियों की होती है। निर्देशों का पालन पूरी तरह है धरातल मे हो रहा है या नही लेकिन अधिकारियों द्वारा कुर्सी पर बैठकर सभी निर्देशों का अक्षरसः पालन होना अधिकारियों कागजों पर दर्शा कर वाह वाही लूट लेते है जिसका खामियाजा नगर वासियों भोगना पड़ता है। नगर के अनेकों स्थान ऐसे है जहां पर लोगों द्वारा कचरा फेंका जाता है लोगों को उम्मीद होती है कि नगर पालिका द्वारा घर घर कचरा संग्रह नही किया जा रहा है तो सामूहिक स्थान से उठा लिया जाएगा लेकिन ऐसा भी नही होता जो चिंता का विषय बना हुआ है।

रासेयो स्वयंसेवकों ने किया सर्वे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उच्च शिक्षण संस्थान एम. आई.एम. टी कालेज राष्ट्रीय सेवा योजना के वार्षिक शिविर का आयोजन ग्राम खैरी में किया जा रहा है। शिविर के चतुर्थ दिवस पर स्वयंसेवकों द्वारा प्रातः प्रभात फेरी निकाली गयी। इसके उपरान्त ध्वज वंदन के साथ योगाभ्यास किया गया। शिविर के द्वितीय सत्र में ग्राम का सर्वे कर वयस्क पुरुष एवं महिला, बालक एवं बालिका, शिक्षित एवं अशिक्षित एवं पात्र हितग्राहियों का सर्वे कर शासन द्वारा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ तथा परिवार में रोगी व्यक्तियों की जानकारी प्राप्त करते हुए परिजनों से मुलाकात कर उनकी मूलभूत समस्याएं जानी वहीं महिला इकाई स्वयंसेवकों द्वारा माध्यमिक शाला खैरी में पर्यावरण संरक्षण पर चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के बौद्धिक सत्र में शिविरार्थी द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें बाल विवाह, एच. आई. व्ही. एड्स, मतदाता जागरूकता, विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। अतिथि के रूप में प्रमोद यादव, अमन मेहरा, रोहित चैधरी, प्रिया कुर्मी मंचासीन रहें। बौद्धिक सत्र का संचालन पवन फरसोईया एवं आभार शिवानी राजपूत द्वारा किया गया। सत्र के समापन अवसर पर उपदल नायक अखिलेश बर्मन एवं दीक्षा कहार को स्वयंसेवकों ने अनुभव साक्षा करते हुये सर्वे रिर्पोट प्रस्तुत की। उक्त अवसर पर महाविद्यालय से सहा. प्राध्यापक श्रीमती ज्योति पटेल, जितेन्द्र मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी द्वय श्रीमती आराधना दुबे, चन्द्रप्रकाश गुप्ता उपस्थित रहें।

निक्षय शिविर के तहत बस ड्राइवर, कंडेक्टर व हेल्पर की हुई स्क्रीनिंग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 25 मार्च 2025 तक 100 दिवसीय निक्षय शिविर का आयोजन जिले में किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य है कि टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक गति देने और जन जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस दौरान जिले में 100 दिन टीबी की व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग, जांच, उपचार व जनजागरूकता को सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में बस स्टेंड नरसिंहपुर में निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 163 बस ड्राइवर, कंडेक्टर, हेल्पर की क्षय रोग संबंधी स्क्रीनिंग की गई। संभावित बस कर्मियों के खकार के सेंपल व एक्स-रे किये गये। इस दौरान डीटीसी के एसटीएस, एक्स- रे टेक्निशियन एवं पीपीएसओ के एजेंट मौजूद थे।

8 पोषित ग्रामों पर मनाई गई रविदास जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरस्वती शिक्षा परिषद के मार्गदर्शन में स्थानीय सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वारा ग्राम नंदवारा, रामपिपरिया, चिनकी, उमरिया, देवाकछार, बाबा टोला, सिमरिया, तथा नगर के वार्ड शास्त्री, नेहरू, सुभाष, निरंजन, शंकर, संजय, किसानी, महाजनी, पाठक, अवंती बाई, नरसिंह वार्ड में संत शिरोमणि रविदास जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य राकेश कुमार स्थापक प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर, राजेन्द्र पटैल आचार्य परिवार द्वारा समाज बंधु-भगिनी अभिभावकगण, छात्र-छात्राओं तथा पूर्व छात्रों की उपस्थिति रही।

निराश्रित मवेशियों की समस्यायों से निजात दिलाने के लिए गौ अभ्यारण्य एक मात्र विकल्प

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में आवारा मवेशियों की समस्याएं फिर सामने आने लगी है।वर्ष भर इन मवेशियों को गुपचुप तरीके से कत्ल खाने चले जाने के साथ सैकड़ों मवेशी बाहन दुर्घटना में असमय काल के गाल में समा जाने के उपरांत वरसात के दिनों में पशुपालकों द्वारा बांधने छोड़ने और चारे भूसा की समस्या के चलते तेंदूखेड़ा तरफ छोड़कर चले जाते हैं। बहुत मवेशियों की सेहत अच्छी देख कुछ मौकापरस्त लोग जो ऐसे आवारा मवेशियों को देख आस पास के मवेशी बाजार में जाकर बेंच देते हैं।या कुछ मवेशी जंगली क्षेत्रों में भाग जाते हैं।तो कुछ मवेशी बड़े समूह झुंडों को देख स्वयं शामिल हो जाते हैं। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में आज यही स्थिति बनीं हुई है।आये दिन बड़ी संख्या में मवेशी सड़क दुर्घटनाओं में काल के गाल में समाते चले जा रहे हैं। यही मवेशी खेतों में खड़ी फसलों को अपना निवाला बनायेंगे।कृषक भी परेशान होंगे।इन सभी समस्याओं से निजात दिलाने की दिशा में तेंदूखेड़ा के समीप ऊमरपानी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली दाने बाबा की पहाड़ी या मर्रावन ग्राम पंचायत के अंतर्गत उपयुक्त स्थान साबित हो सकता है। जहां चारे पानी की व्यवस्था के साथ हजारों मवेशियों को सुविधाओं के साथ पनाह स्थली बनाई जा सकती है।पूर्व में भी इस तरह की जानकारी ज्ञापनों के माध्यम से जवाबदार पक्षों को भी दी गई थी। लेकिन यह विषय नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह गई।

शोपीस बनकर रह गई गौ शालायें

शासन के द्वारा जिस उद्देश्य को लेकर उक्त गौ शालाओं का गांव गांव निर्माण कराया गया था वह अपने उद्देश्य से भटककर केवल शोपीस बनकर रह गई है। इन गौ शालाओं की आड़ में कुछ पंचायतें केवल अपनी उदर पूर्ति का जरिया मान बैठी है तो कुछ संचालन करने वाले समूह अपनी बपौती समझ बैठे है।जिस क्षमता से इन गौ शालाओं को बनाया गया है उनमें चारे भूसा पानी का बहाना बनाकर केवल स्वयं के मवेशी बांधे छोड़े जा रहे हैं वाकी सब सड़कों पर आवारा मवेशी के रूप में दिखाई दे रहे हैं।केवल गौ माता का दिखावा करने वालों की ही इच्छा शक्ति की बजह से ही आज गौ माता यहां वहां भटक रही है।केवल एक गौ शाला निर्माण की राशि मात्र ही यदि यहां खर्च हो जाती तो एक अभ्यारण्य शुरू हो सकता है। छाया के लिए चार पांच बड़े शेड पानी को अलग-अलग टांक और तार बाड़ी से ही बहुत कुछ काम बन जाएगा। तेंदूखेड़ा और आस पास के जितने भी आवारा मवेशी यहां वहां विचरण किया करते हैं।वे सभी यहां पर छोड़े जा सकतें हैं।केवल कसाईयों और उनको संरक्षण देने वाले दानवों से बचाव करने भर निगरानी की जरूरत होगी। इस व्यवस्था में गौ सेवको को भी जवाबदारी मील का पत्थर साबित हो सकती है।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा के छात्रों को किया गया पुरस्कृत

शील्ड प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि दी गई

तेंदूखेड़ा। विद्यार्थियों को भारतीय सनातनी संस्कृति आध्यात्मिक पर्यावरण सुरक्षा संरक्षण जीवन उपयोगी सामान्य ज्ञान का बोध कराने अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में संपूर्ण भारत वर्ष में एक साथ एक ही दिवस भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हाईस्कूल माध्यमिक और उच्च स्तर के छात्रों को समावेशित किया जाता है।साथ ही जिला और तहसील स्तर पर सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया जाता है।इसी श्रंखला के चलते तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत लगभग 27 स्कूलों के 1900 छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया था। जिनके परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। तहसील स्तर पर प्रथम स्थान कु चांदनी पिता राजूलाल विश्वकर्मा ने द्वितीय स्थान कु विशाखा दिनेश लोधी तृतीय स्थान कु मानसी पिता घनश्याम पटेल ने अर्जित किया है। वहीं विद्यालय स्तर पर भी प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया जा रहा है।इन सभी छात्रों को विद्यालयों में पहुंचकर शांतिकुंज हरिद्वार से जारी प्रशस्ति पत्र उपजोन समीति सदस्य वृन्दावन पटेल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के तहसील प्रमुख रामकुमार ठाकुर तहसील संयोजक श्रीकांत गुप्ता संतोष पटेल वरिष्ठ परिजन वीरेंद पटैल भैरों प्रसाद पटैल तेजराम पटैल यशवंत पटेल भूपेन्द्र पटेल द्वारका प्रसाद सोनी हरिओम वर्मा नारायण सिंह पटेल शंकरलाल पटेल सहित बड़ी संख्या में गायत्री परिजन उपस्थित रहे तथा परीक्षा संपन्न कराने में महती भूमिका निभाई।साथ ही जिन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में सर्वाधिक भाग लिया उन स्कूलों एवं शिक्षकों को भी सम्मानित किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत अतरिया में खुले पड़े ट्रांसफार्मर बना खतरा, फर्जी कनेक्शनों का अंबार

गोटेगांव। जनपद पंचायत गोटेगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत अटरिया में बिजली विभाग की लापरवाही गंभीर खतरा बनती जा रही है। गांव में बिना सुरक्षा घेरे के खुले पड़े ट्रांसफार्मर हादसों को न्योता दे रहे हैं। वहीं, क्षेत्र में फर्जी बिजली कनेक्शनों की भरमार है, जिससे बिजली चोरी चरम पर पहुंच गई है।

गांव के कई इलाकों में ट्रांसफार्मर खुले पड़े हैं, जिनके आसपास कोई बैरिकेडिंग या चेतावनी बोर्ड नहीं लगाया गया है। बच्चे और राहगीर बेखौफ होकर इनके पास से गुजरते हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। बारिश के दौरान यह समस्या और भी खतरनाक साबित हो सकती है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान होने की आशंका बनी हुई है।

फर्जी कनेक्शनों का अंबार, बिजली चोरी से बढ़ रही समस्या

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में बड़े पैमाने पर फर्जी बिजली कनेक्शन जोड़े गए हैं, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है। बिजली विभाग के अधिकारी इस पर ध्यान दे,जिससे बिजली चोरी को बढ़ावा मिल रहा है।

फर्जी बिजली कनेक्शनों की जांच कर अवैध उपयोग पर रोक लगाई जाए। ग्राम अतरिया के ग्रामीणों ने बिजली विभाग और प्रशासन से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बिजली विभाग की लापरवाही से अटरिया में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या पर ध्यान देता है।

गोटेगांव में खुलेआम बिक रहा मांस-मटन

प्रशासन बना मूकदर्शक, मुख्यमंत्री की घोषणा से कोसों दूर जमीनी हकीकत

गोटेगांव। नगर में सार्वजनिक स्थानों और बाजारों में खुले में मांस-मटन की बिक्री बदस्तूर जारी है। स्वच्छता अभियान और मुख्यमंत्री मोहन यादव की सख्त निर्देश वाली घोषणाओं के बावजूद स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने साफ-सफाई और मांस बिक्री के लिए निर्धारित नियमों को सख्ती से लागू करने की बात कही थी, लेकिन गोटेगांव में हालात इससे बिल्कुल विपरीत हैं।

मुख्य बाजारों में खुलेआम बिक्री

नगर क्षेत्र सहित कई स्थानों पर खुले में मांस-मटन की बिक्री हो रही है। गंदगी और दुर्गंध से राहगीरों को परेशानी होती है, लेकिन प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।

स्वच्छता अभियान को ठेंगा

एक ओर सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत सफाई व्यवस्था पर करोड़ों खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक स्थानों पर मांस बिक्री के कारण स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ रही हैं। सड़क किनारे मांस की दुकानों पर मक्खियां भिनभिनाती हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा भी बना रहता है।

मुख्यमंत्री की घोषणा हवा में

हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सार्वजनिक स्थानों पर मांस-मटन की खुली बिक्री पर रोक लगाने की बात कही थी। साफ-सफाई बनाए रखने के लिए मांस विक्रेताओं को ढंके हुए स्थान और निर्धारित दुकानों में बिक्री के निर्देश दिए थे, लेकिन गोटेगांव में यह सब कागजों तक सीमित है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार इस समस्या की शिकायत की गई, लेकिन प्रशासन ने आंखें मूंद रखी हैं। खुले में बिकने वाले मांस-मटन के कारण बीमारियों का खतरा बना हुआ है, इसके बावजूद जिम्मेदार कार्रवाई करने को तैयार नहीं हैं।

नगरवासियों की मांग

नगरवासियों ने जिला प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि खुले में मांस-मटन बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। मांस विक्रेताओं को नियमों के दायरे में लाकर उचित स्थान पर बिक्री के निर्देश दिए जाएं, ताकि नगर की स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्था बनी रहे।